# एलिज़ाबैथ हैमिलटन

लेखनः मोनिका क्युलिंग

चित्रः वैलेरियो फाबरेत्ती

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

मेरी माँ तथा जिस यतीम से
वे प्यार करती थीं, की स्मृति में

- एम. के.

मेरी मॉम व डैड के लिए

- वी. एफ.

# एलिज़ाबैथ हैमिलटन

लेखनः मोनिका क्युलिंग

चित्रः वैलेरियो फाबरेत्ती

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

एलिज़ाबैथ स्कायलर का जन्म

1757 में हुआ था।

उनके पिता औपनिवेशिक सेना में

मेजर जनरल होने के साथ

एक महत्वपूर्ण जमींदार भी थे।

उनकी माँ न्यू यॉर्क राज्य

के सबसे धनी परिवार से थीं।

अलाइज़ा ने बड़े होकर

एलैक्ज़ैण्डर हैमिलटन से शादी की।

जो अमरीका के संस्थापकों में एक थे।
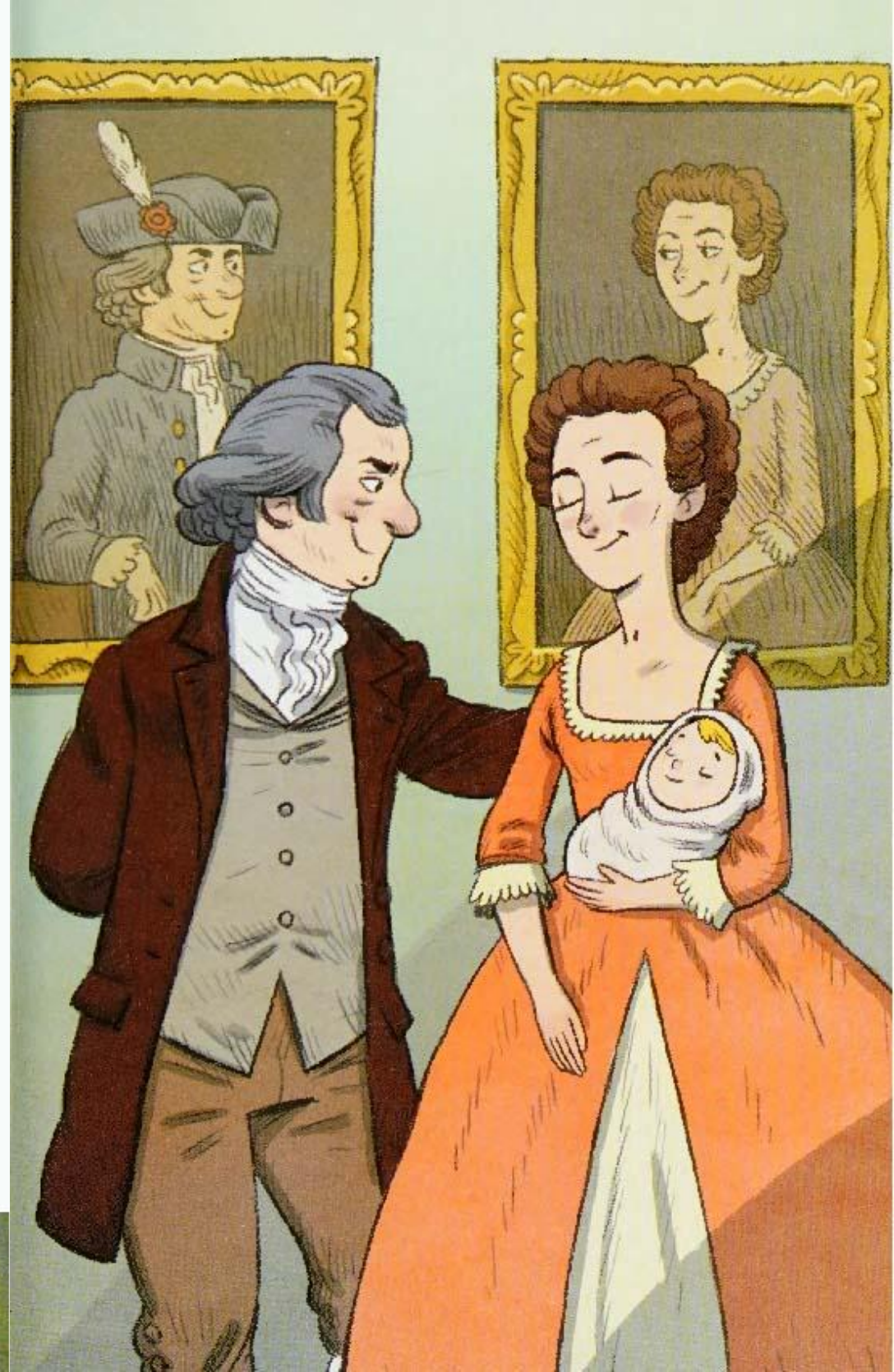
बहुत कम लोग यह जानते हैं

कि अलाइज़ा ने भी महान काम किए थे।

समय आ चुका है कि वे जान लें।

अलाइज़ा एल्बनी, न्यू यॉर्क, में पली-बढ़ीं।

उनके कई भाई-बहन थे।

वे सब एक बड़ी-सी हवेली में रहते थे,

जो पाश्चर्स कहलाती थी।

हवेली, हडसन नदी के पास

एक पहाड़ी पर बनी हुई थी।

उसने चिड़िया के बच्चे को बचाया।

उस यतीम की उसने तब तक देखभाल की
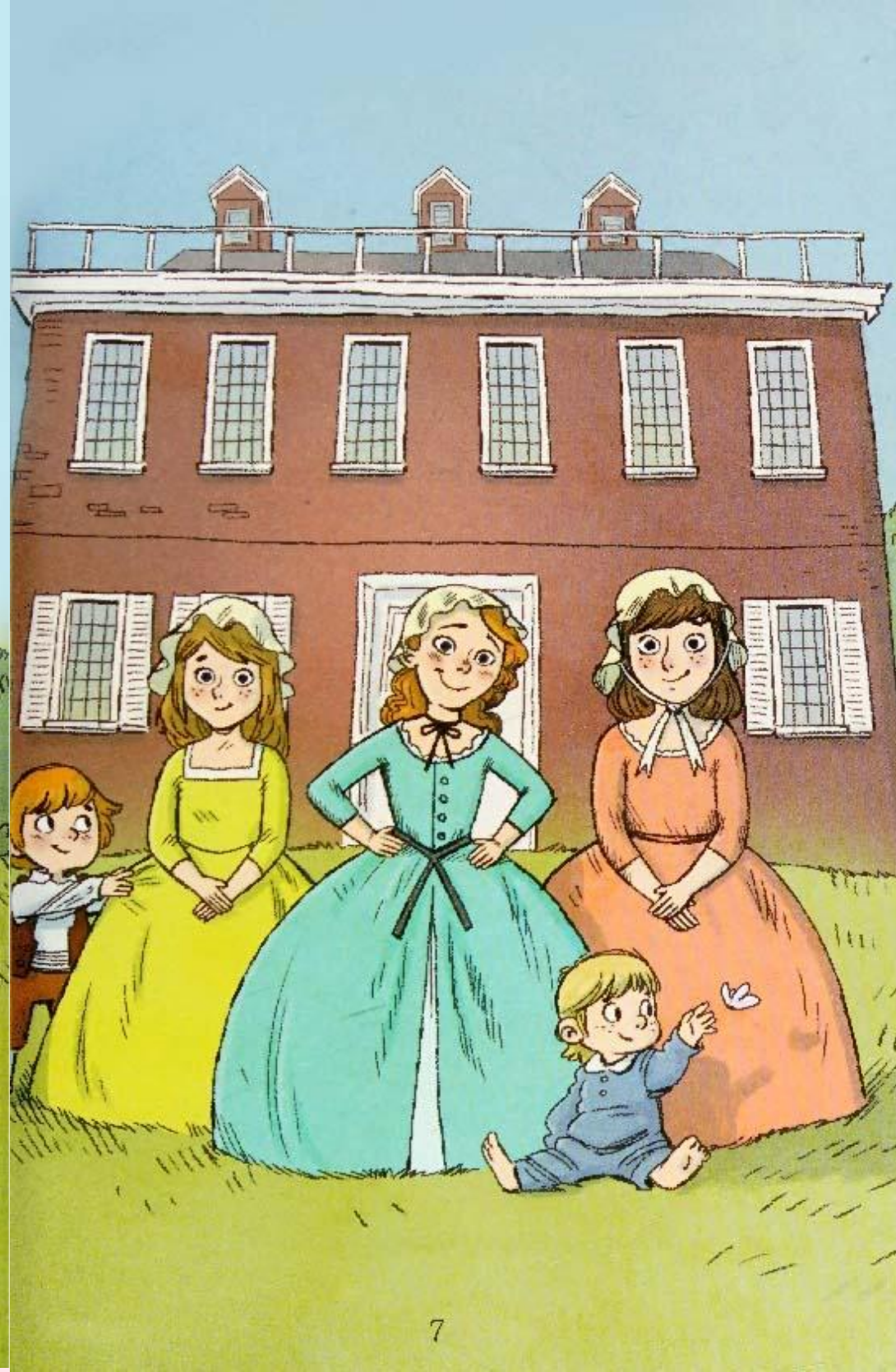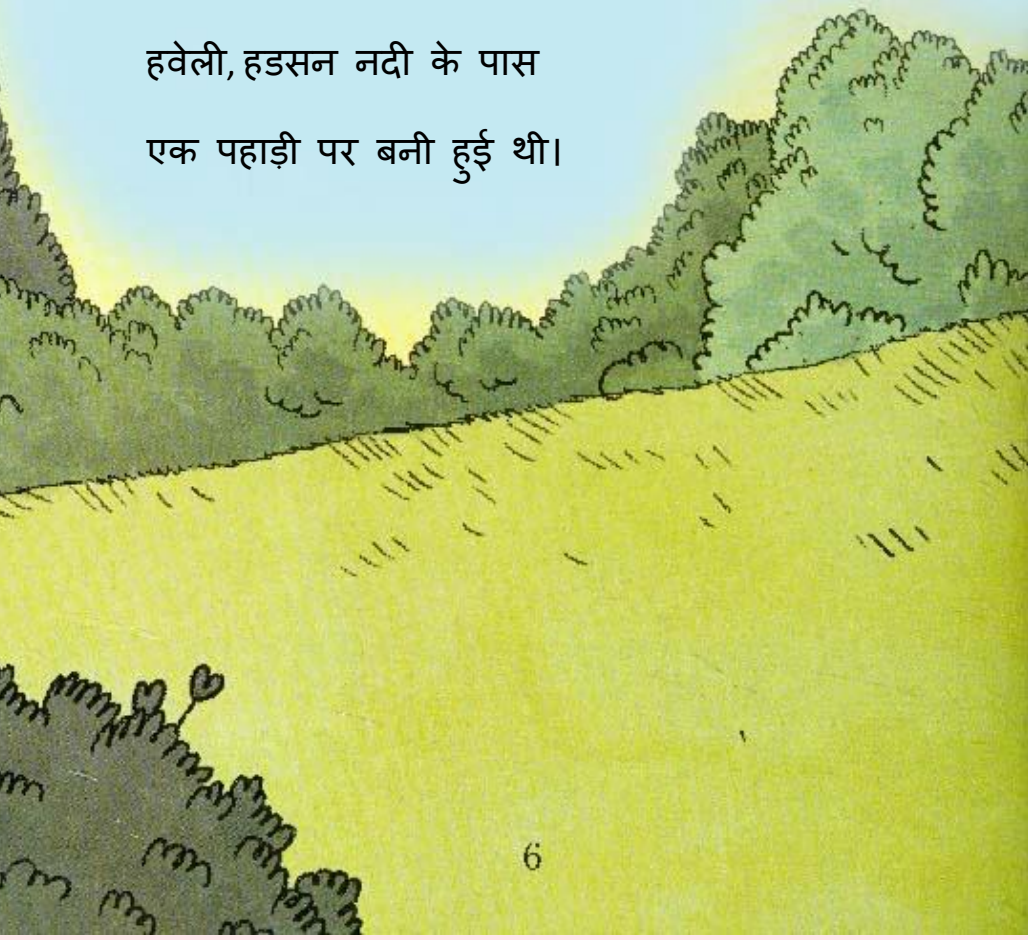
जब तक वह उड़ने लायक न हो गया।

जब अलाइज़ा छोटी थी

उसे पेड़ों पर चढ़ना पसन्द था।

एक दिन उसने देखा कि उसकी बिल्ली ने

एक चिड़िया के नन्हे को दबोच लिया है।

“नहीं!” अलाइज़ा चीखी।

अलाइज़ा अक्सर

बाहर को अन्दर ले आती थी।

एक दिन उसके टोप में

कुछ चौंकाने वाला था।

“साँप!” उसकी बहन चीखी।

“उसे बाहर ले जाओ अलाइज़ा!”

माँ ने हुकुम दिया।

“फौरन!”

रात के खाने के समय

परिवार अक्सर उस दिन

की ख़बर पर बातचीत करता था।

1775 की एक शाम

अलाइज़ा के पिता ने कहा,

''लैक्सिंगटन, मैसाच्युसेटस् में

गोली दागी गई है।''

''अब क्या होगा पापा?''

सतरह वर्ष की अलाइज़ा ने पूछा।

''हम इंग्लैण्ड से जंग लड़ेंगे,''

पिता ने जवाब दिया।

यह अमरीकी क्रांति

की शुरूआत थी।
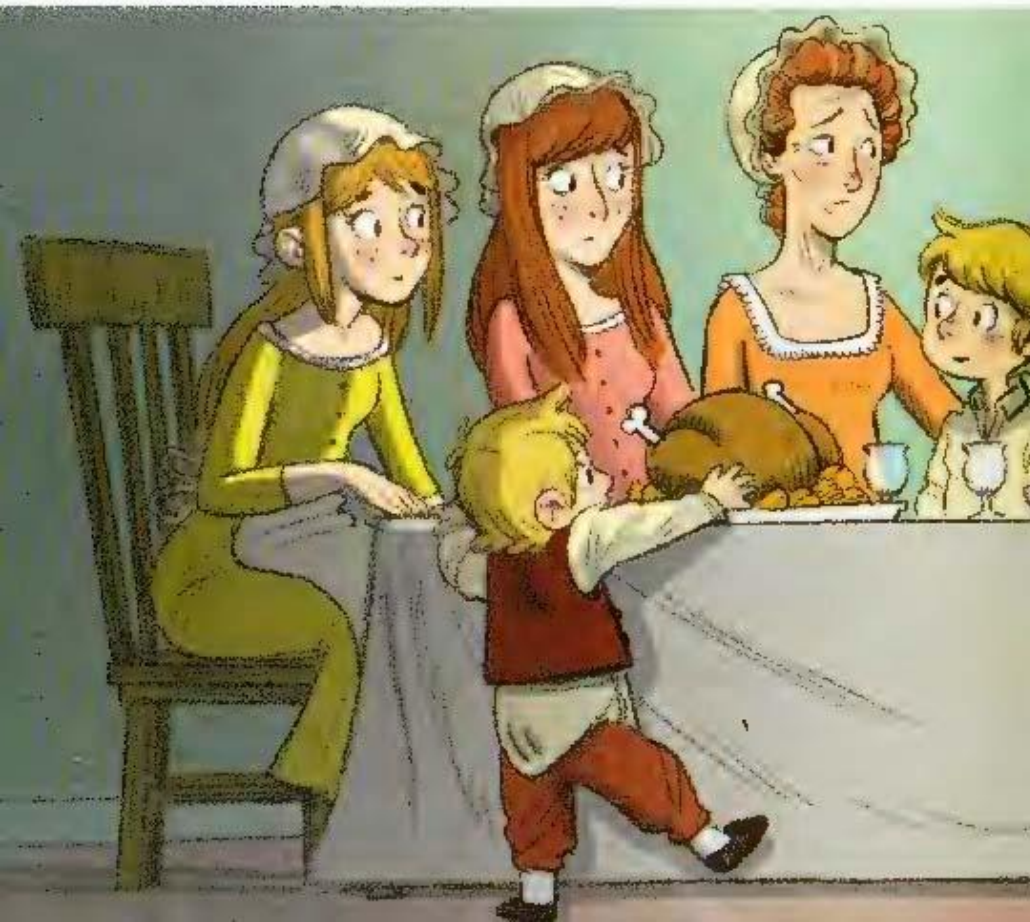
महत्वपूर्ण लोग अक्सर

स्कायलर परिवार के घर में

खाना खाने आया करते थे।

1776 में बैंजामिन फ्रैंकलिन आए।

परिवार के साथ बागान में घूमते वक़्त

उन्होंने अलाइजा को तेज़ी से

एक ऊँची पहाड़ी पर चढ़ते देखा।

“वह तो एक साहसी सैनिक है,” वे बोले।

अलाइज़ा ताकतवर थीं।

एक दिन एक नौजवान सैनिक

जिसका नाम एलैक्ज़ैण्डर हैमिलटन था,

अलाइज़ा के पिता के लिए

एक संदेशा लेकर आया।

वह तब रात का खाना खाने रुका।

एलैक्स ने एक नए राष्ट्र को

बनाने के बारे में अपने विचार रखे।

एक ऐसे देश के बारे में जिस पर

कोई राजा शासन न करता हो।

जनरल स्कायलर ने उसकी बात सुनी।

अलाइज़ा ने भी।
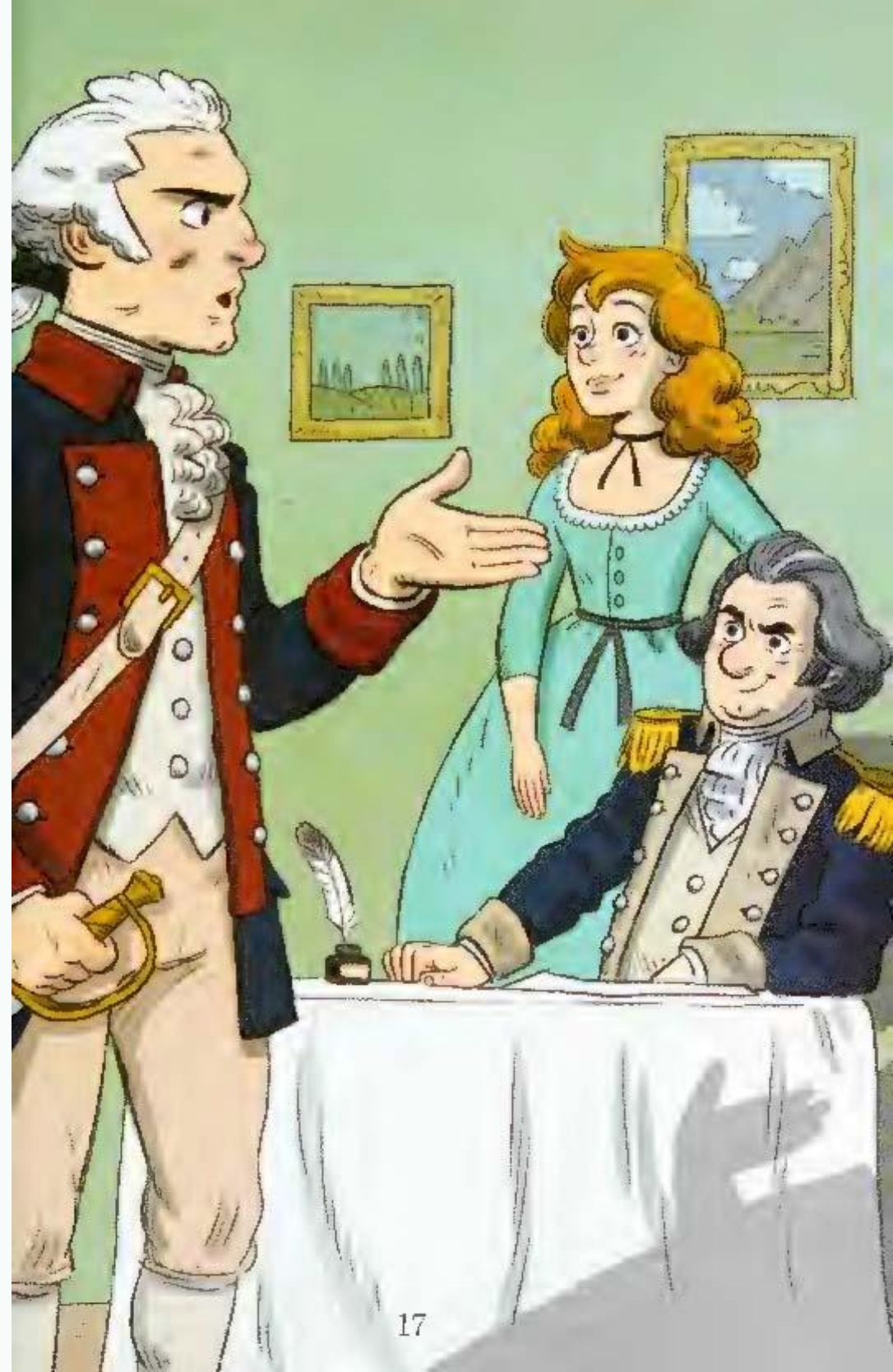
सर्दियों में अमरीकी सेना

मॉरिसटाउन, न्यू जर्सी में रुकी थी।

अलाइज़ा अपने मौसी-मौसा

के साथ रहने आई थी।

एक दावत में

उसकी मुलाकात फिर से एलैक्ज़ैण्डर से हुई।

इसके बाद वे कई बार मिले।

दोनों एक-दूसरे के क़रीब आते गए।

15 दिसम्बर 1780 को

अलाइज़ा के परिवार की मौजूदगी में

उसका एलैक्स के साथ विवाह हुआ।

एलैक्ज़ैण्डर यतीम था,

अलाइज़ा के बड़े और स्नेहिल परिवार ने

उसे ऐसे अपनाया मानो वह

उनके परिवार का ही हिस्सा हो।

एलैक्स काम पर लौटा -

वह जनरल वॉशिंगटन की ओर से

काँग्रेस को पत्र लिखता रहा।

पर वह असल में देश के लिए

लड़ना चाहता था।

1781 में उसने यॉर्कटाउन, वर्जीनिया

पर हमले का नेतृत्व किया।

इससे उपनिवेशों में हो रही जंग

खत्म करने में मदद मिली।

एलैक्स के घर लौटने के

तीन महीने बाद अलाइज़ा ने

उनकी पहली सन्तान को जन्म दिया।

अलाइज़ा और एलैक्स का बेटा हुआ था।

उन्होंने अलाइज़ा के पिता के नाम पर

बेटे का नाम फिलिप रखा।

एलैक्स जंग से हीरो की तरह लौटे थे।

अब उन्होंने वकालत शुरु की।
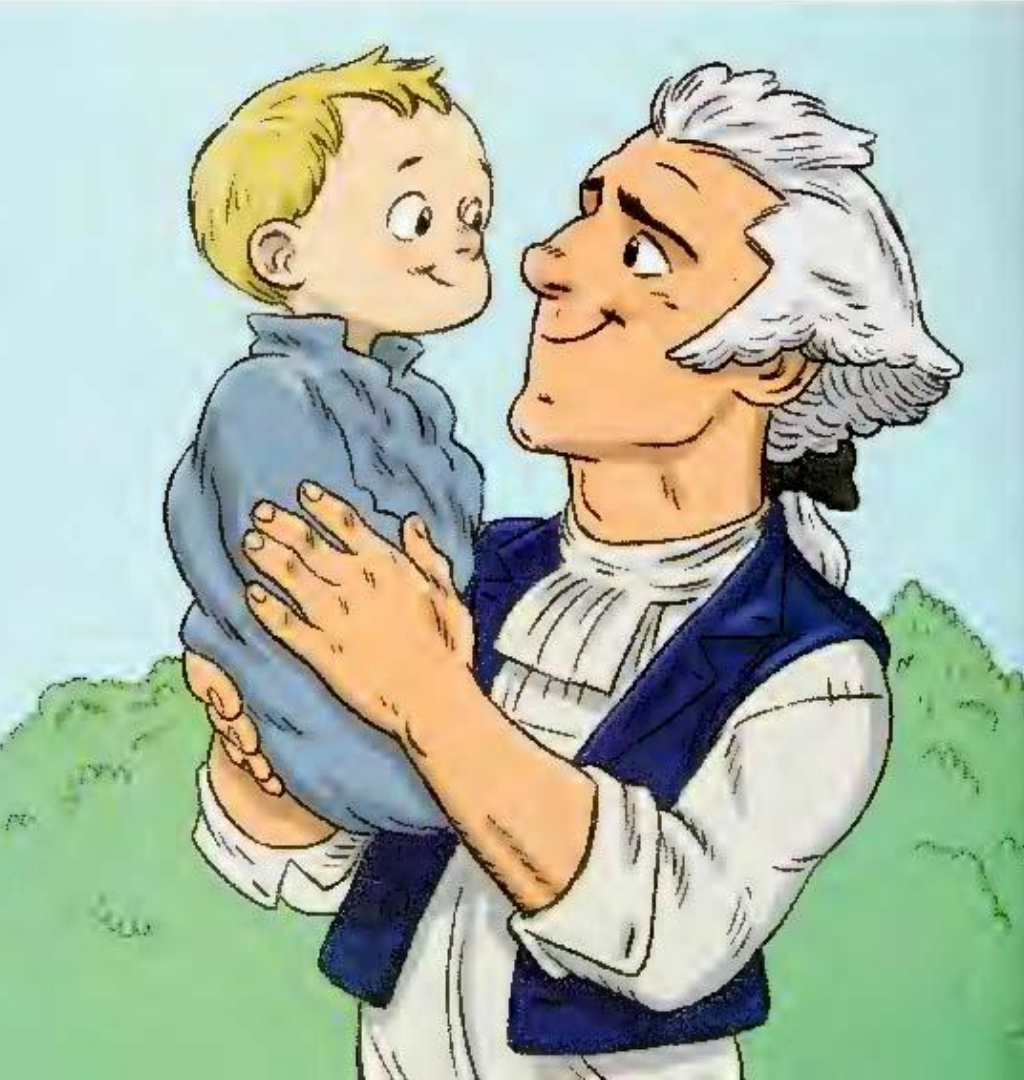
लोअर मैनहैटन में,

जहाँ हैमिलटन परिवार रहता था,

अलाइज़ा परिवार के

साथ व्यस्त रहतीं थीं।

वे एलैक्स की भी उनके

राजनीतिक पेशे में मदद करती थीं।

नए संविधान को मतदाता स्वीकार लें,

इसका भरोसा दिलाने के लिए

एलैक्स ने कई लेख लिखे।

नए संविधान के कानून राज्यों

को एक साथ बांधे रख सकेंगे।

अलाइज़ा, एलैक्स का लिखा पढ़ती थीं।

उनकी सलाह से एलैक्स को अपनी बात

साफ-साफ लिखने में मदद मिलती थी।

30 अप्रेल 1789 को

जॉर्ज वॉशिंगटन

संयुक्त राज्यों के

पहले राष्ट्रपति बने।

उन्होंने एलैक्स को अपना

पहला वित्त सचिव चुना -

यानी पैसों को प्रबंधक बनाया।

पर घर की प्रबंधक अलाइज़ा थीं।

वे आय की कम राशि में

घर-बार चलाने में

होशियार थीं।

और होशियार तो होना ही पड़ता था,

क्योंकि हैमिलटन परिवार

बढ़ रहा था।

अपने बच्चों के अलावा

अलाइजा ने

दो ज़रूरतमंद बच्चों को भी

अपने दिल और घर में पनाह दी थी।

खिलाने-पिलाने को अब

कई मुँह थे।

तब त्रासदी का पहला हमला हुआ!

23 नवम्बर 1801 को

अलाइज़ा और एलैक्स के बड़े बेटे फलिप ने,

जो महज उन्नीस बरस का था,

अपने सम्मान को बचाने के लिए

एक द्वन्द्व युद्ध लड़ा।

यह बन्दूक की लड़ाई थी।

एलैक्स ने बेटे को समझाया,

“मारने के लिए वार न करना।”

पर दूसरे व्यक्ति ने

मारने के लिए ही गोली दागी।

फिलिप की मौत हो गई।
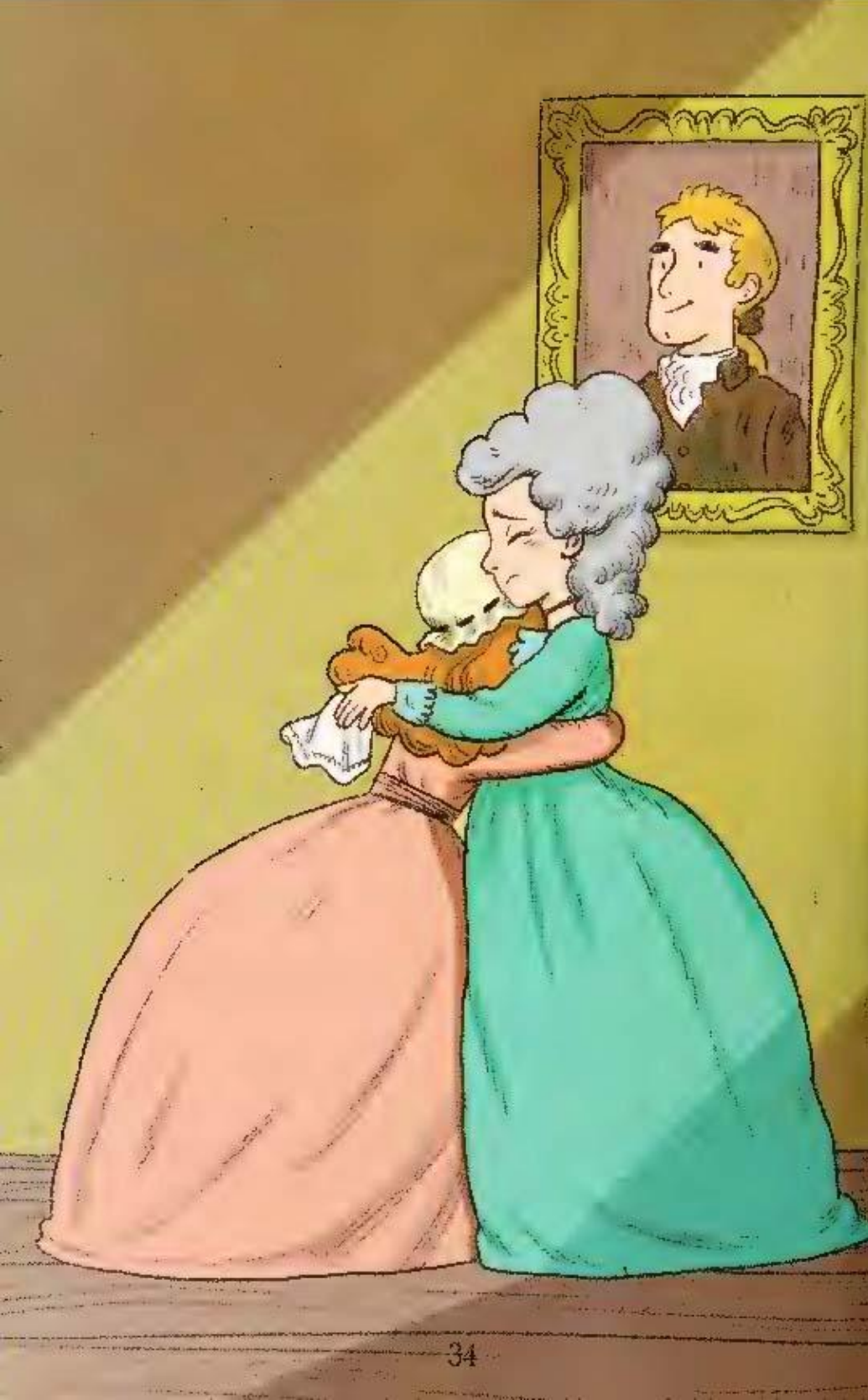
अलाइज़ा का दिल टूट गया।

पर उन्हें और भी कुछ खोना था।

उनकी दूसरी सन्तान एंजलिका

अपने चहेते भाई की मौत

से पूरी तरह बिखर गई।

वह कभी स्वस्थ नहीं हो पाई।

एंजलिका ने अपना शेष जीवन

चिकित्सक की देखभाल में गुज़ारे।

अलाइज़ा अपनी बहन पैगी को पहले ही खो चुकीं थीं।

तब उनकी प्यारी माँ का 1803 में देहान्त हुआ।

पर इससे भी बड़ा आघात उन्हें

11 जुलाई 1804 को लगा।

उप-राष्ट्रपति एरन बर्र को अपने बारे में

एलैक्स ने जो लिखा था वह नागवारा गुज़रा।

बर्र ने उन्हें द्वन्द्व के लिए ललकारा।
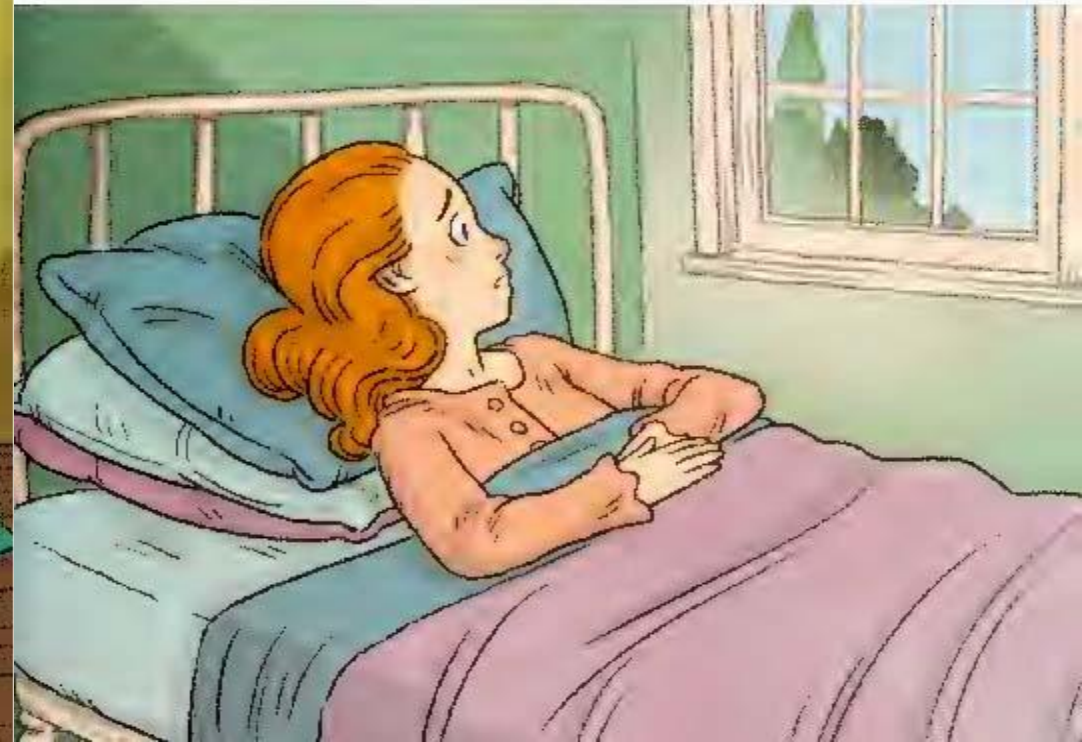
एलैक्स ने जो सलाह अपने

बेटे को दी थी, वही खुद भी अपनाई।

पर बर्र ने हत्या करने के मकसद से गोली दागी।

अगले दिन एलैक्स की मौत हो गई।

अलाइज़ा ने खुदा से ताकत देने की प्रार्थना की।

इसके अलावा कोई चारा भी नहीं था।

एलैक्ज़ैण्डर अपने पीछे कर्ज़ छोड़ गए थे।

उनका चहेता घर, जो ग्रेंज कहलाता था

उन्हें बेचना पड़ा।

एलैक्स की मृत्यु के कुछ ही महीनों बाद

अलाइज़ा के पिता का भी देहान्त हो गया।

वे अलाइज़ा के लिए कुछ पैसे छोड़ गए थे,

उससे अलाइज़ा ने ग्रेंज वापस ख़रीद लिया।

अलाइज़ा बेघर बच्चों के जीवन में

कुछ फ़र्क लाना चाहती थीं।

उनकी मित्र इज़ाबैल ग्राहम के

दिल में भी यतीम बच्चों के लिए जगह थी।

1806 में

कुछ दूसरी स्त्रियों के साथ

उन्होंने ऑर्फन असायलम सोसायटी

की स्थापना की।

चन्दा जुटा कर

एक घर खरीदा गया,

जहाँ बिना परिवार के बच्चे रह सकें।
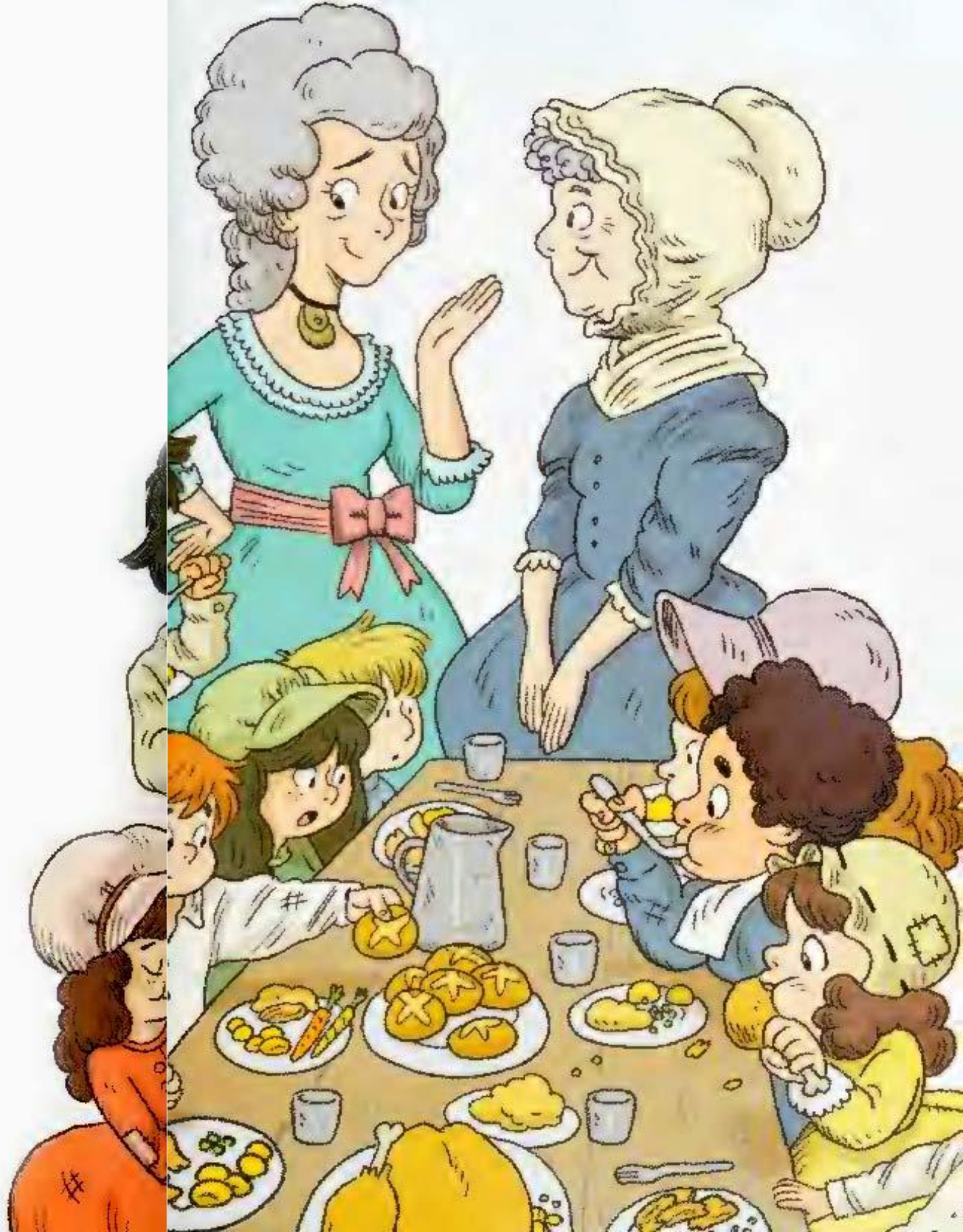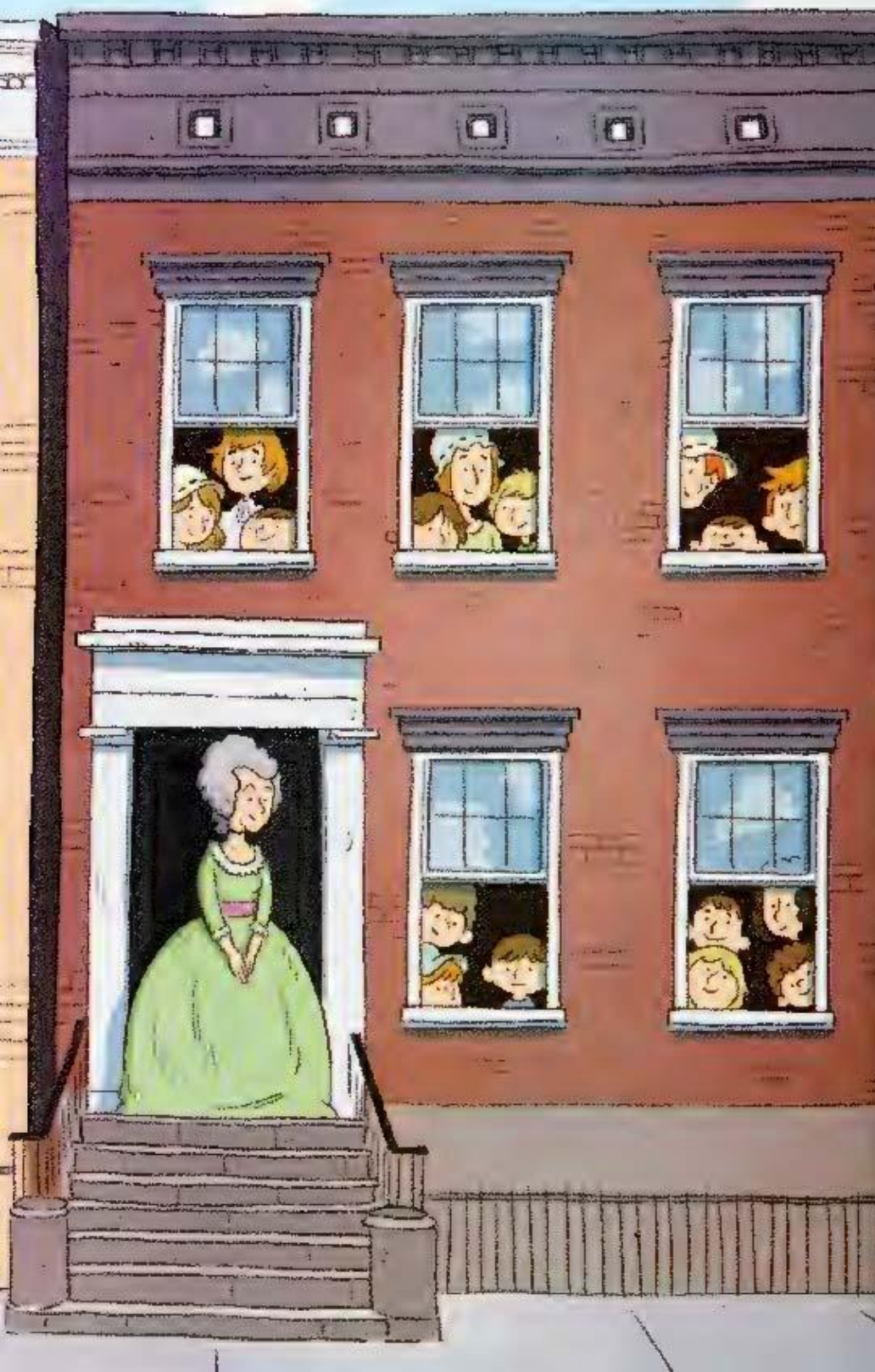
न्यू यॉर्क शहर के ग्रैनिच विलेज में एक

दो मंज़िला इमारत, सोलह

यतीम बच्चों का घर बनी।

पर जल्द ही जगह छोटी पड़ने लगी।

स्त्रियों ने और पैसे जमा किए,

और एक ज़्यादा बड़ा अनाथालय बनाया गया।

अलाइज़ा इसकी पहली उपाध्यक्ष बनीं।

1821 में वे इसकी अध्यक्ष बनीं।

यह अनाथालय बाद में

ज़रूरतमंद बच्चों और परिवारों

की मदद करने लगा।

यह संस्था आज तक कायम है।

अलाइज़ा चाहती थीं कि हरेक बच्चे को
पढ़ना और लिखना आता हो।
वे यह भी चाहती थीं कि इतिहास
उनके पति को याद रखे।
सो 1818 में उन्होंने वॉशिंगटन हाइटस्,
न्यू यॉर्क शहर में पहला स्कूल खोला।
उन्होंने इसे हैमिलटन फ्री स्कूल
का नाम दिया।
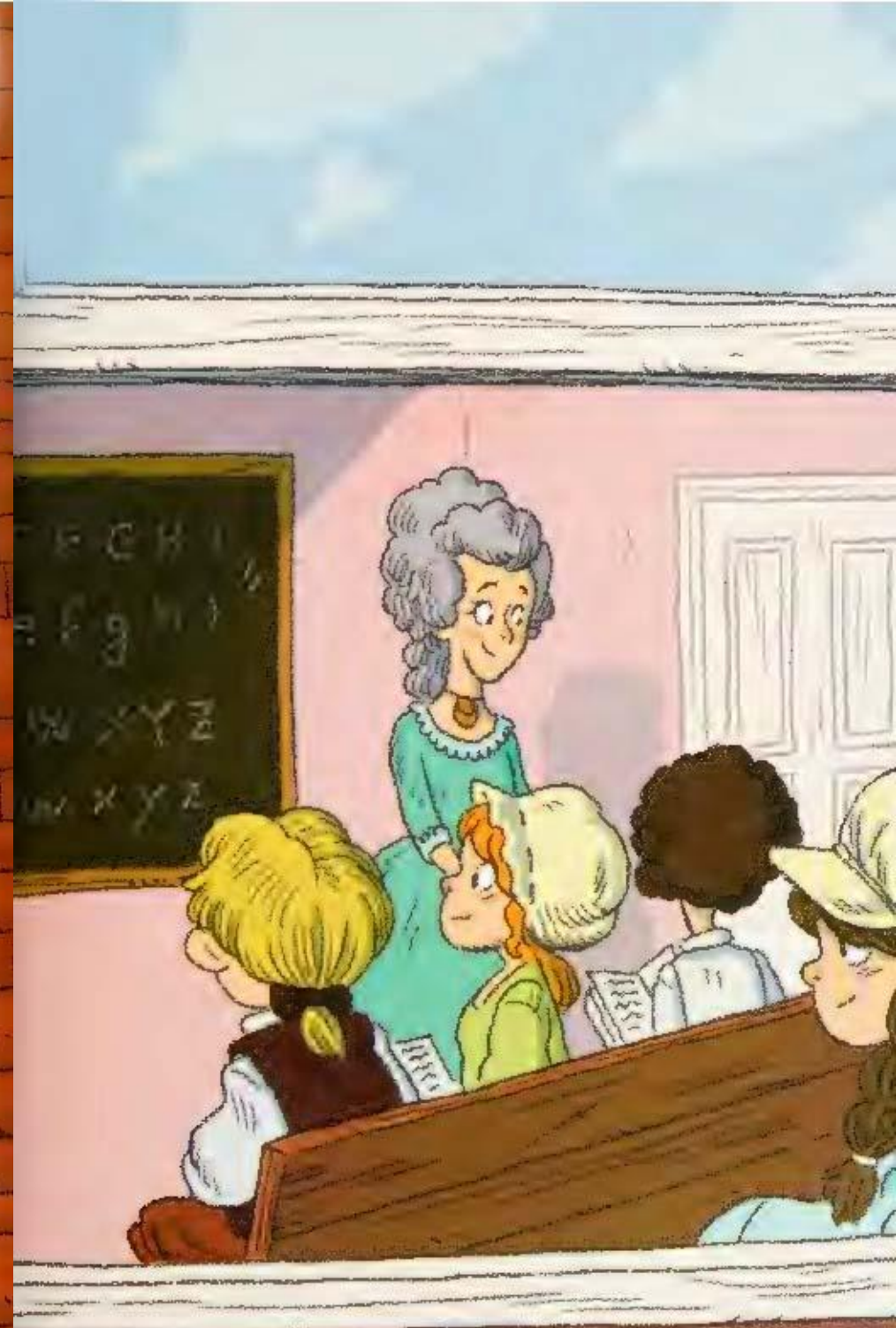
अलाइज़ा ने अमरीका के पहले

राष्ट्रपति के सम्मान में एक स्मारक

बनाने के लिए पैसे इकट्टे किए।

इस प्रयास में उन्हें दो पूर्व प्रथम महिलाओं -

डॉली मैडिसन तथा लूईसा एडमस्

ने भी सहयोग दिया।

वॉशिंगटन मॉन्युमेंट

जनता के लिए अन्ततः

1888 में खेला गया।

पर अलाइज़ा इसका

वैभव न देख सकीं।
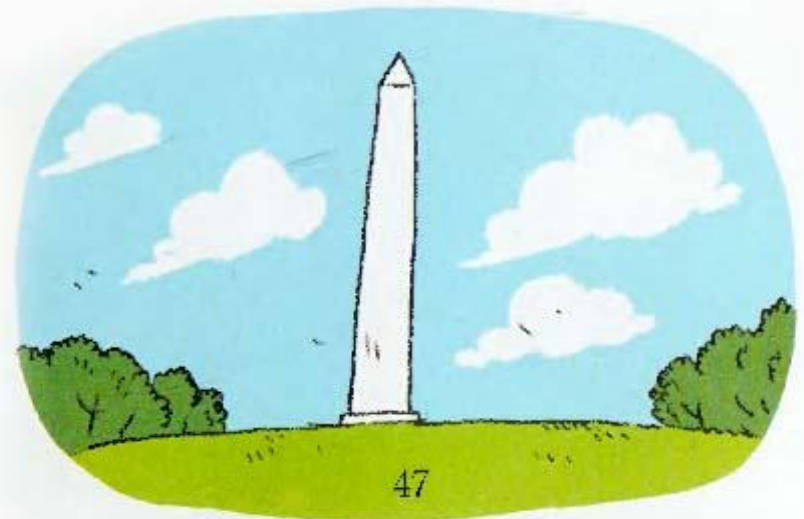
अलाइज़ा, एलैक्स की मौत के बाद
50 वर्ष तक जीवित रहीं।

उन्होनें न केवल अपने बच्चों का पालन-पोषण किया,

कई दूसरे बच्चों की भी मदद की।

उन्होंने एलैक्स के लेखों को

प्रकाशन के लिए व्यवस्थित किया,

ताकि भावी पीढ़ियाँ

उनके बारे में जान सकें।

उन्हें 1854 में अपने प्रिय

एलैक्ज़ैण्डर के पास द्फ़नाया गया।

एलिज़ाबैथ स्कायलर हैमिलटन

सत्यानवें वर्ष की उम्र तक जीवित रहीं।